CIN No. : L26943RJ1979PLC001935
Phone : 01462 228101-6
Toll Free : 1800 180 6003 / 6004
Fax : 01462 228117 / 228119
E-Mail : shreebwr@shreecementltd.com
Website : www.shreecement.in

SHREE CEMENT LTD.

Regd. Office:
BANGUR NAGAR, POST BOX NO.33, BEAWAR 305 901, RAJASTHAN, INDIA

SCL/BWR/SE/2018/
28th November, 2018

FAX NO. 022 – 26598237 / 26598238
Email - cmlist@nse.co.in

National Stock Exchange of India Limited,
Exchange Plaza,
Bandra – Kurla Complex, Bandra (East)
MUMBAI – 400 051

SCRIP CODE: SHREECEM EQ

FAX NO. 022-22722041 / 22722061
Email - corp.relations@bseindia.com

Bombay Stock Exchange Ltd.
Phiroze Jeejeebhoy Towers,
25th Floor, Dalal Street,
MUMBAI – 400 023

SCRIP CODE 500387

Attn: Listing Department

Re:- Submission of copy of the newspaper advertisements in respect of transfer of equity shares of the company to the Investor Education and Protection Fund (IEPF) Suspense Account

Dear Sirs,

Pursuant to Regulation 47(3) of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, we enclose copy of the Notice published in the newspapers [The Financial Express (English) & Dainik Navjyoti (Hindi)] in connection with the proposed transfer of equity shares to the Investor Education and Protection Fund (IEPF) Suspense Account pursuant to the provisions of section 124(6) of the Companies Act, 2013 and the rules referred there under.

Kindly take the same on record.

Thanking you,

For **SHREE CEMENT LIMITED**

(S.S. KHANDELWAL)
COMPANY SECRETARY

डकैती की योजना बनाते पांच गिरफ्तार

कुख्यात बावरी चोर गिरोह के हैं सदस्य, पंचशील नगर के मकान में वारदात अंजाम देने से पूर्व दबोचा, हथियार भी बरामद, पुष्कर मेले में डेढ़ दर्जन से ज्यादा वारदातें कबूली

कासं/नवज्योति, अजमेर

क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने पंचशील नगर क्षेत्र से बावरी गेंग के एक बालअपचारी सहित पांच लोगों को एक मकान में डकैती डालने की योजना बनाते हुए रंगेहाथ दबोच लिया। आरोपितों के कब्जे से पुलिस ने धारदार हथियार, गुलेल व मिर्च पाउडर बरामद किया है। बदमाशों ने पुष्कर मेला क्षेत्र में की डेढ़ दर्जन से ज्यादा वारदातें करना स्वीकार किया है।


पुलिस द्वारा गिरफ्तार बावरी गैंग के सदस्य। -नवज्योति

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपित रणजीत नगर कच्ची बस्ती भरतपुर निवासी बुद्दु बावरी (21) पुत्र उत्तम, रामपवन उर्फ रामपुनिया (20) पुत्र श्रीराम बावरी व धर्म (19) पुत्र कालू बावरी, कच्ची बस्ती रामचन्द्रपुरा कुनाड़ी कोटा निवासी शिवम उर्फ शुभम उर्फ सीएम (20) पुत्र वीर सिंह बावरी, एवं विधिविरुद्ध संघर्षरत बालक शामिल है। इनमें विधिविरुद्ध संघर्षरत बालक को पुलिस ने पूछताछ करके न्यायालय के समक्ष पेश कर बाल सम्प्रेक्षण गृह भेज दिया। जबकि अन्य सभी आरोपितों से पुलिस मामले में गहनता से पूछताछ में जुटी हुई है।

यूं चढ़े पुलिस के हत्थे

सीआई लिखमाराम ने बताया कि शहर में बढ़ रहीं चोरियों व लूट की वारदात पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह ने एडीशनल एसपी हर्ष रत्नू व सीओ जिनेन्द्र कुमार जैन के निर्देशन में टीम बनाकर अपने थाना क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए थे। उसी के तहत मंगलवार को मुखबिर से सूचना मिली कि पंचशील नगर क्षेत्र में स्थित जलदाय विभाग के कार्यालय के निकट झाड़ियों की आड़ में 5-6 युवक किसी मकान में डकैती डालने की योजना बना रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को जानकारी देकर टीम के साथ मौके पर पहुंच संदिग्धों को पंचशील नगर में ई ब्लॉक क्षेत्र में घेराबन्दी कर दबोच लिया।

ये हुआ बरामद

आरोपितों के कब्जे से पुलिस ने लाल मिर्च पाउडर का पैकेट, एक धारदार गुप्ती, पंच क्लीप, नकबनुमा लोहे की छड़ और प्लास्टिक की गिलोल बरामद हुई है। इससे साफ है कि आरोपितों के इरादे नेक नहीं थे।

हथियार की नोंक पर बंधक बनाने की योजना

पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वह हथियारों से लैस होकर कोटा व भरतपुर से अजमेर आए थे। उन्होंने पंचशील नगर क्षेत्र में रैकी कर एक मकान को डकैती डालने के लिए चिन्हित कर लिया था। उन्होंने बताया कि देर रात को मकान में प्रवेश कर घर में रहने वाले लोगों को हथियार की नोंक पर बंधक बनाकर लूटपाट करने का इरादा उन्होंने कर रखा था। वारदात अंजाम देने के बाद सभी आरोपित माल का बंटवारा कर अलग होकर अपने ठिकानों पर लौट जाते।

ये थे टीम में शामिल

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बनाई गई टीम में सीआई लिखमाराम, हैड कांस्टेबल तेजाराम, कांस्टेबल राजकुमार, कमलेश, हरेन्द्र व रामप्रसाद शामिल थे।

पुष्कर मेले में 20 वारदातें करना कबूला

पुलिस ने बताया कि उक्त सभी आरोपित कुख्यात बावरी गिरोह के सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि वह लोग मेला व भीड़ वाले स्थानों पर जेबतराशी, पर्स छीनना, चेन स्नेचिंग, सूने स्थान पर खड़े चौपहिया वाहन के कांच को गिलोल से तोड़कर सामान चोरी करना, मौका मिलने पर सूने मकान में चोरी करने का काम करते हैं। वह वर्तमान में पुष्कर मेला और बारावफात पर वारदात की फिराक में अजमेर आए थे। उनके साथ परिवार के सदस्य भी हैं, जो बस स्टैण्ड व रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्र में डेरा लगाकर रहते हैं। उन्होंने बताया कि जो लोग वारदात करने में माहिर होते हैं। वह डेरे में कम रहते हैं। वह आसपास के किसी होटल में कमरा किराए पर ले लेते हैं। आने-जाने के लिए ओला टैक्सी का इस्तेमाल ज्यादा करते हैं। जिससे उन पर कोई सन्देह नहीं कर पाए। आरोपितों ने पुष्कर मेला क्षेत्र में वाहनों के कांच तोड़कर सामान चुराने व विदेशियों का बैग चुराने जैसी करीब 20 वारदातें करना स्वीकार किया है।

असामान्य शिशु की मौत

ऑस्टियोजेनेसिया इम्परफैक्टा बीमारी से था पीड़ित

कासं/नवज्योति, अजमेर।

जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के शिशु रोग विभाग में मंगलवार को सुबह जन्मजात बीमारी से ग्रसित तीन दिन के असामान्य शिशु की मौत हो गई। शिशु का जन्म एक निजी हॉस्पिटल में हुआ था।

सूत्रों के अनुसार निजी हॉस्पिटल में नवजात शिशु की असामान्य अवस्था को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे तुरंत जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय के शिशुरोग विभाग रैफर कर दिया। जहां पर एफबीएनसी में उसका उपचार किया जा रहा था। चिकित्सकों के अनुसार शिशु जेनेटिक डिसऑर्डर के कारण ऑस्टियोजेनेसिया इम्परफैक्टा नामक बीमारी से ग्रसित था। आज सुबह उसका निधन हो गया। उसके बाद परिजनों ने उसकी सभी तरह की जांच और बेडहेड टिकट की जानकारी देने की मांग की, तो चिकित्सकों ने इंकार कर दिया। इसके बाद परिजन ने विरोध शुरू कर दिया। चिकित्सकों ने उनको समझाया कि वे सूचना के अधिकार के अंतर्गत सभी तरह की जानकारी मांग सकते हैं। तब जाकर वे शांत हुए और मृतक शिशु का शव ले गए। चिकित्साकर्मियों ने बताया कि चार-पांच साल में इस तरह की बीमारी से ग्रसित शिशु आते रहते हैं, लेकिन वे ज्यादा समय तक जीवित नहीं रह पाते हैं क्योंकि उनकी हड्डियां मां के पेट में या फिर जन्म के समय ही टूट जाती हैं।

अजमेर कारोबार

मशीन लर्निंग विषय पर एक्सपर्ट लेक्चर का आयोजन

अजमेर। आर्यभट्ट कॉलेज में दो दिवसीय एक्सपर्ट लेक्चर के अन्तर्गत दूसरे सत्र का आरम्भ डॉ. संदीप यादव आईआईटी, जोधपुर के सहायक आचार्य द्वारा किया गया। उन्होंने मशीन लर्निंग सिग्नल एण्ड सिस्टम के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। डॉ. यादव के शोध क्षेत्र सिग्नल प्रोसेसिंग, कंडीशन मोनिटरिंग, आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क तथा इमेज प्रोसेसिंग है। उन्होंने बताया कि मशीन लर्निंग क्या है तथा किस प्रकार से यह कार्य करती है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी, एनालॉग डिजिटल डिस्क्रीट सिग्नल तथा सिस्टम की जानकारी दी। कॉलेज निदेशक डॉ. अमित शास्त्री ने कहा की भारत जैसे विकासशील देश में विकास के लिए उद्योगों का अभिन्न मशीनीकरण होना बहुत जरुरी है। इससे कार्य की उच्च गुणवत्ता एवं निर्माण लागत में कमी आती है। इसलिए छात्रों के व्यक्तित्व विकास के लिए उन्हें भी इन प्रणालियों का ज्ञान अतिआवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. एस.के. माथुर एवं विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष विक्रम सिंह राजपुरोहित ने डॉ. यादव को स्मृति चिन्ह देकर धन्यवाद ज्ञापित किया।

डीपीएस के बच्चों का शानदार प्रदर्शन

अजमेर। डीपीएस अजमेर के विद्यार्थियों ने नेशनल फ्रेंच भाषा परीक्षा के लिए क्वालीफाई कर लिया। प्रथम एजुकेशन सोसाइटी एवं एलियांस फ्रांसेस दे एएन ए फ्रांस द्वारा डीपीएस स्कूल में फ्रेंच वर्ड पावर स्टेट लेवल परीक्षा का आयोजन किया गया। एवन तथा ए टू लेवल के लिए सभी विद्यार्थियों का परफोरमेंस शानदार रहा। सभी विद्यार्थियों ने यह परीक्षा पास की। पास विद्यार्थियों ने दिसम्बर में होने वाली नेशनल लेवल फ्रेंच परीक्षा के लिए क्वालीफाई किया। ए वन लेवल में प्रथम आदित्य कलसी, द्वितीय पीयूष मीना एवं तृतीय नेहुल बंसल रहे। इसी प्रकार ए टू लेवल में प्रथम नीरज कुंगवानी, द्वितीय अर्थव गौर एवं तृतीय हिमांशु चारण रहे। प्रिंसिपल डॉ. नीरू पाठक एवं फ्रेंच टीचर विपिन जैन ने सभी विद्यार्थियों को नेशनल एक्जाम के लिए शुभकामनाएं दीं।

शराब तस्कर को भुगती हुई सजा पर छोड़ने के आदेश

हाईकोर्ट ने कहा, अधीनस्थ अदालत के निर्णयानुसार जुर्माना राशि जमा करानी होगी

कासं/नवज्योति, अजमेर

राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति पंकज भंडारी ने शराब तस्करी के आरोपी भगवानगंज निवासी लक्ष्मण सांसी की अपील स्वीकार कर उसे भुगती हुई सजा पर छोड़ने का आदेश दिया है। लेकिन अपर सेशन न्यायालय के जुर्माना का आदेश यथावत रखा।

आरोपी के खिलाफ अवैध रूप से भारी मात्रा में विभिन्न ब्रांड की शराब रखने के मामले में राजस्थान आबकारी अधिनियम 19/54 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 6 ने लक्ष्मण को दोषी मानते हुए तीन साल की कैद व बीस हजार रुपए जुर्माने से दंडित किया था। उसने सेशन न्यायालय में इस आदेश के खिलाफ अपील प्रस्तुत की। अदालत ने अपील आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए अधीनस्थ अदालत से दी गई सजा की जगह उसे एक साल के कारावास व दो हजार रुपए जुर्माने से दंडित किया था। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि जुर्माना राशि जमा नहीं होने पर आरोपी को दो माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। आरोपी लक्ष्मण इस आदेश से भी संतुष्ट नहीं हुआ। उसने एडवोकेट आशिष सैनी के जरिए अपर सेशन न्यायालय के एक साल के कारावास की सजा के आदेश के विरुद्ध राजस्थान उच्च न्यायालय में अपील प्रस्तुत की। न्यायाधिपति पंकज भंडारी ने अपीलार्थी को भुगती हुई सजा पर छोड़ने का आदेश देते हुए कहा कि उसे अधीनस्थ अदालत के आदेशानुसार जुर्माना राशि दो हजार रुपए जमा करवाने होंगे, यह राशि जमा नहीं करवाने पर उसे दो माह का कारावास भोगना होगा।


अजमेर जोन के अधिकारियों की बैठक लेते रजिस्ट्रार। -श्रीकांत जांगिड़

सहकारिता क्षेत्र में नए व्यवसाय शुरू किए जाएंगे

रजिस्ट्रार ने अजमेर जोन के अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

कासं/नवज्योति, अजमेर

सहकारिता क्षेत्र को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए परम्परागत व्यवसाय के अलावा अब नए विकल्प ढूंढकर भी व्यवसाय में विस्तार किया जा सकेगा। राज्य सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार नीरज के. पवन ने मंगलवार को अजमेर जोन के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में व्यवसाय बढ़ाने के लिए विकल्प तलाशने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा में दवाइयां और पेंशनर्स का काम सहकारिता का परम्परागत काम है, लेकिन समय के साथ बदलाव की आवश्यकता भी है। इसलिए विकल्प तलाश नए व्यापार भी शुरू किए जाने चाहिए, ताकि प्रतिस्पर्धा के बाजार में सहकारी बाजार भी मजबूत हो सके।

उन्होंने समाज के लिए उपयोगी और क्षेत्रीय आधार पर आवश्यकताओं वाले साधनों के साथ ही मोबाइल, इलेक्ट्रोनिक्स सामान, रेडीमेड गारमेन्ट्स और डेयरी उत्पादों की बिक्री करने का सुझाव दिया। उन्होंने अधिकारियों से भी सुझाव मांगे हैं। पवन ने सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक और प्राथमिक भूमि विकास बैंक द्वारा किए जा रहे ऋण वितरण और एनपीए स्थिति का फीड बैक लिया। इसके अलावा वस्तु भण्डार, ऑडिट और निरीक्षण की स्थिति की भी जानकारी लेते हुए नियमित रूप से मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

गुणवत्ता से नहीं हो समझौता

किसानों की फसलों के समर्थन मूल्य पर की जा रही खरीद प्रक्रिया को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने कहा कि खरीद केन्द्रों पर निर्धारित मापदण्ड के अन्तर्गत ही फसलों को खरीदा जाए और किसी भी स्थिति में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करें। कम गुणवत्ता वाली फसल के लिए प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर दबाव पड़ सकते हैं, लेकिन किसी भी दबाव में मापदण्ड नहीं बदलें। फिर भी कोई दबाव बनाए तो सीधे उनसे शिकायत की जाए।

भुगतान में नहीं हो देरी

उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा समर्थन मूल्य पर बिक्री की जा रही फसल की खरीद पर एक सप्ताह में भुगतान की प्रक्रिया हो। लेकिन कई जगह से किसानों को समय पर बैंकों में ऑनलाइन भुगतान नहीं हो पाता है। इसकी खरीद केन्द्रों और भुगतान व्यवस्था के लिए नियमित मॉनिटरिंग की जाए, ताकि किसानों को परेशानी नहीं हो।

बकाया भुगतान पर गंभीर

सहकारी समितियों द्वारा किए जाने वाले व्यवसाय के बदले दी जाने वाले कमीशन राशि का लम्बे समय से भुगतान नहीं होने को उन्होंने गंभीरता से लेते हुए राजफैड प्रबन्धन और जिला कलक्टर से भी बैठक के दौरान ही बात कर जल्द समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समितियों का बकाया करोड़ों तक पहुंच गया है। ऐसे में यदि उन्हें समय पर भुगतान ही नहीं होगा, तो वे कैसे व्यापार कर सकेंगी। टोंक और नागौर जिले के वस्तु भण्डार से संतोषजनक व्यापार प्राप्त नहीं होने पर सख्ती दिखाते हुए अधिकारियों को छोटे व्यापारियों के बजाए बड़ों पर फोकस करने पर जोर दिया है।

किशनगढ़ खरीद केन्द्र का निरीक्षण

बैठक के बाद जयपुर लौटते समय उन्होंने किशनगढ़ मण्डी में खरीद केन्द्र पर पहुंचकर समर्थन मूल्य पर खरीद की प्रक्रिया भी परखी। उन्होंने केन्द्र पर आए किसानों और सहकारिता के कार्मिकों से भी बातचीत कर इसमें आ रही समस्याओं की जानकारी ली। बैठक में अतिरिक्त रजिस्ट्रार जी.एल. स्वामी, अजमेर जोन के अतिरिक्त रजिस्ट्रार और एसीसीबी के प्रबन्ध निदेशक जी.एल. गुप्ता, क्षेत्रीय अंकेक्षण अधिकारी पूनम भार्गव, अजमेर भण्डार के महाप्रबन्धक भंवर सुरेन्द्र सिंह राठौड़, उपरजिस्ट्रार शंकर भोले, अभिलाषा पारीक सहित अजमेर, नागौर, भीलवाड़ा और टोंक के सेन्ट्रल कोऑपरेटिव बैंक के प्रबन्ध निदेशक, भण्डार के महाप्रबन्धक, प्राथमिक भूमि विकास बैंक के सचिव, स्पेशल ऑडिटर, कैडीएसएस के प्रबन्धक, उप रजिस्ट्रार आदि मौजूद रहे।

कई कलाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा, 29 से कार्यशाला

अजमेर। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के मार्गदर्शन व शिक्षा भारती के तत्वावधान में 29 व 30 नवंबर को पुष्कर रोड स्थित आदर्श विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय में होने वाली दो दिवसीय कार्यशाला की तैयारियों हेतु सोमवार को प्रबंध समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें प्रधानाचार्य भूपेंद्र उबाना ने बताया कि कार्यशाला में विद्यार्थियों के लिए चित्रकला, मांडना, रंगोली, मेहंदी, नृत्य, संगीत, केलीग्राफी आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला के लिए 29 नवंबर को सुबह नौ बजे तक पंजीयन करवाया जा सकता है। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

बहाई आध्यात्मिक सभा की विचार गोष्ठी

अजमेर। बहाई आध्यात्मिक सभा की ओर से सोमवार को बापूनगर स्थित रंजना शर्मा के निवास पर अब्दुल बहा की शिक्षाओं पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर संस्था के मुकेश मिश्रा, अनिता मनवानी, जे.के. तुलस्यानी ने अब्दुल बहा के जीवन व शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। वासुदेव भगत, हेमा हिरानी, सती हरवानी ने भजन प्रस्तुत किए। संयोजक ओ.पी.रे. ने आभार व्यक्त किया।

बकाया ऋण वसूलने के लिए रिसीवर नियुक्त

मध्यस्थता प्रक्रिया शुरू, फाइनेंस कम्पनी ने वाहन खुर्द-बुर्द करने का अंदेशा जताया, 17 लाख रुपए हैं ऋणी पर बकाया

कासं/नवज्योति, अजमेर

अपर सत्र न्यायाधीश संख्या एक ने जेसीबी खरीदने के लिए लिया ऋण चुकाने में असफल रहे सांवर सिंह से बकाया राशि वसूलने के लिए ऋणी वाहन को कब्जे में लेने के लिए रिसीवर नियुक्त करने का आदेश दिया है। जिससे वह वाहन को खुर्द-बुर्द अथवा किसी अन्य को बेचान नहीं कर सके।

मैसर्स चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एण्ड फाइनेंस कम्पनी ने एडवोकेट अवतार सिंह उप्पल के माध्यम से जेसीबी खरीदने के लिए ऋण लेने वाले सांवर सिंह से 17 लाख 5 हजार 254 रुपए वसूल करने के लिए एकपक्षीय सुनवाई करते हुए रिसीवर नियुक्त करने के बाद मध्यस्थता की कार्रवाई करने का प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया था। उन्होंने अदालत को बताया कि सांवर सिंह ने जेसीबी खरीदने के लिए 22 लाख रुपए ऋण लिया था। लेकिन वह उसकी नियमित अदायगी नहीं कर पाया। कम्पनी को उससे 17 लाख 5 हजार 254 रुपए वसूलने हैं। फाइनेंस कम्पनी व सांवर सिंह के बीच ऋण के एग्रीमेंट में विवाद की स्थिति में मध्यस्थता करवाने की शर्त थी। जिसके अनुसार कम्पनी ने अदालत के समक्ष आर्बीटिशन एण्ड कांसीलिएशन एक्ट के तहत प्रार्थना-पत्र पेश किया था।

कम्पनी ने अदालत से आग्रह किया कि यदि नियमानुसार प्रतिवादी को बकाया ऋण राशि वसूलने के लिए आर्बीटिशन कार्रवाई शुरू करने संबंधी कोई नोटिस अथवा किसी तरह की सूचना दी जाएगी, तो हो सकता है कि वह बकाया राशि नहीं देने की मंशा से जेसीबी को खुर्द-बुर्द कर दे अथवा बेचान कर दे। ऐसा करने से कम्पनी को नुकसान होगा। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि वह रिसीवर नियुक्त करे, जो जेसीबी को जब्त कर सुरक्षित रख ले।

अदालत ने फाइनेंस कम्पनी की दलील तथा उनके समक्ष प्रस्तुत अदालती दृष्टांतों का अवलोकन कर कम्पनी द्वारा रिसीवर नियुक्त करने का प्रार्थना-पत्र स्वीकार कर लिया, किन्तु यह स्पष्ट किया कि फाइनेंस कम्पनी रिसीवर की नियुक्ति व उसकी कार्रवाई की फीस सहित जब्त वाहन के रखरखाव पर होने वाला खर्च स्वयं वहन करेगी। फाइनेंस कम्पनी यह राशि तब तक ऋणी से प्राप्त नहीं कर सकेगी, जब तक वह अप्रार्थी को नोटिस देकर उसके विरुद्ध बकाया ऋण वसूल करने की कार्रवाई की सूचना अप्रार्थी को नहीं दे देगा।

राशन सामग्री लेने के लिए सुबह पांच बजे लगना पड़ता है लाइन में

दौराई में ग्रामीण परेशान, सुबह 9 बजे से है वितरण का सरकारी समय

कासं/नवज्योति, अजमेर

राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा गारंटी योजना के तहत राशन सामग्री का वितरण करने के लिए अनिवार्य की गई पोस मशीन उपभोक्ताओं के लिए समस्या बन गई है। कभी थम्ब इम्प्रेशन स्केन नहीं होने से राशन से वंचित होना पड़ रहा है, तो कभी विभागीय और डीलरों की लेटलतीफी के कारण नियमित रूप से राशन लेने की परेशानी बनी हुई है। अब पोस मशीन में सर्वर नहीं आने से एक राशन डीलर वितरण समय पूर्व सुबह 6 बजे ही राशन का वितरण कर रहा है। ऐसे में लोगों को सुबह चार-पांच बजे उठते ही राशन लेने के लिए लम्बी लाइन लगानी पड़ रही है।

शहर की करीबी दौराई गांव में पात्र उपभोक्ताओं को इन दिनों उचित मूल्य की दुकान पर अलसुबह राशन के लिए लम्बी कतार लगाए देखा सकता है। खास बात यह है कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा राशन वितरण का समय उपभोक्ता पखवाड़े में प्रातः 9 बजे से शाम पांच बजे तक है। इसमें एक घण्टे का भोजनावकाश निर्धारित है। लेकिन यहां डीलर द्वारा सुबह 6 बजे से ही सामग्री का वितरण किया जा रहा है।

गृहस्थी का काम निपटाएं या राशन लें

क्षेत्रीय उपभोक्ताओं ने बताया कि इतनी जल्दी राशन वितरण करने से सभी लोग परेशान हैं। इस दौरान अमूमन प्रत्येक घर में दैनिक दिनचर्या व घर-गृहस्थी के काम निपटाए जाते हैं। गृहणियों को बच्चों को स्कूल भेजने के लिए तैयार करना होता है। लेकिन फिर भी डीलर समय से तीन घण्टे पूर्व राशन वितरित कर रहा है।

सर्वर नहीं आने की समस्या की आड़

दरअसल दौराई में चयनित डीलर द्वारा डीलरशिप छोड़ी जा चुकी है। नए दुकानदार का चयन नहीं होने तक सोमलपुर के डीलर के यहां उपभोक्ताओं को अटैच किया गया है। वर्तमान में सोमलपुर गांव का डीलर दौराई आकर राशन वितरण कर रहा है। अपना काम प्रभावित नहीं हो, इसलिए उसने अलसुबह का समय निर्धारित कर रखा है। लोगों ने इसका विरोध किया तो उसने दिन में निर्धारित समय पर पोश मशीन में सर्वर नहीं होने का बहाना बना लिया। उपभोक्ताओं ने बताया कि राशन लेने के लिए मंगलवार को तो सुबह साढ़े चार बजे से ही कतारबद्ध होना पड़ गया। फिर भी सात बजे नम्बर आया। यह स्थिति पिछले तीन माह से बनी हुई है।

महिलाओं में झगड़ा

सुबह घर के कामकाज और उसी दौरान राशन के लिए लम्बी लाइन के कारण वहां आने वाली महिलाओं में भी रोजाना अपनी बारी को लेकर झगड़ा होना आम बात हो गई है। मंगलवार को भी महिलाएं आपस में झगड़ पड़ी।

निरीक्षण करा करेंगे समाधान

दौराई के राशन डीलर द्वारा डीलरशिप छोड़ने पर सोमलपुर के डीलर मजीद के यहां उपभोक्ताओं को अटैच किया गया है। फिलहाल किसी उपभोक्ता से शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। डीलर से बात करने पर उसने बताया कि वह खुद बीमार है और वर्तमान में अस्पताल में भर्ती है। अपनी जगह उसने अस्थाई रूप से अन्य व्यक्ति को लगा रखा है। उपभोक्ताओं के उसके पास भी फोन आए। तब उसने राशन वितरणकर्ता से बात की, तो सर्वर की समस्या सामने आई है। क्षेत्र में अधिकांश उपभोक्ता मजदूर वर्ग के हैं, उनकी सहमति के बाद ही वितरण का समय जल्दी करना बताया जा रहा है। फिर भी बुधवार को निरीक्षण कराया जाकर समस्या का समाधान करवा दिया जाएगा।

–रेणुका चतुर्वेदी, प्रवर्तन अधिकारी, रसद विभाग

सेवादल शुरू करेगा जनसम्पर्क अभियान

कासं/नवज्योति, अजमेर

अजमेर शहर जिला कांग्रेस सेवा दल ने उत्तर और दक्षिण के कांग्रेस प्रत्याशियों को विजयी बनाने के लिए सेवादल जनसम्पर्क अभियान चलाएगा। मंगलवार को आयोजित बैठक में तय किया गया कि सेवादल कार्यकर्ता मतदान के दिन कांग्रेस के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान कराने में अपनी ताकत लगाएगा। सेवादल के कार्यकर्ता अपनी वर्दी में गांधी भवन चौराहे एवं मुख्य बाजारों में कांग्रेस के पैम्पलेट वितरित कर कांग्रेस को वोट देने की अपील करेंगे। बैठक में सेवादल के जिला मुख्य संगठक एडवोकेट देशराज मेहरा, प्रदेश संगठक विजय नागौरा, राजकुमार पंड्या, महिला संगठक पार्षद द्रोपदी कोली, राशिद, हरिप्रसाद, आरिफ खान, नवीन सोनी, उमेश शर्मा, नरेश मुद्गल आदि उपस्थित थे।

आज बिजली बंद रहेगी

अजमेर। आवश्यक रख-रखाव के लिए बुधवार को पूर्वान्ह 11 से दोपहर 2 बजे तक गीली गाल, आम वाला कुंआ, नसीराबाद रोड स्थित 7 नम्बर टैंक, क्रेशर एरिया व आस पास के क्षेत्र में बिजली बंद रहेगी।

TRADE SETTLEMENT

Sebi frames clearing corp interoperability

PRESS TRUST OF INDIA
New Delhi, November 27

WITH AN AIM to reduce trading costs, markets regulator Sebi on Tuesday came out with a framework for interoperability among clearing corporations (CCPs), which will be operationalised by June 1, 2019. At present, different bourses have their own CCPs, which handle settlement of trades on the respective stock exchanges.

The interoperability would permit trading members to clear trades through a firm of their choice instead of going through the CCP owned by the bourse on which the trade was executed. The framework comes after the Sebi board in September approved a proposal to enable interoperability among CCPs.

In a circular, Sebi said, interoperability framework will be applicable to all the recognised CCPs excluding those operating in International Financial Services Centre. "All the products available for trading on the stock exchanges (except commodity derivatives) shall be made available under the interoperability framework," it added.

The regulator asked stock exchanges and CCPs to "take all necessary steps to operationalise interoperability at the earliest but not later than June 1, 2019". The move assumes significance in the wake of the disruptions in the functioning of a stock exchange and the respective CCPs in recent past. Under the guidelines, the agreements entered into by the exchanges and CCPs will include system capability, inter-CCP links, risk management framework, monitoring of client margin/position limits.

Obligation system, settlement process, surveillance systems, sharing of client data, sharing of product information, default handling process and dispute resolution process will also be part of the agreements. In case of default by a CCP, the collateral provided by such CCP will be utilised by the non-defaulting CCP to cover losses arising from such default, it said.

To promote transparency in terms of charges levied by the exchanges and CCPs, Sebi said the transaction charges levied need to be clearly identified and made known to the participants upfront.

Sensex, Nifty clock 2nd straight gains

PRESS TRUST OF INDIA
Mumbai, November 27

THE BSE BENCHMARK Sensex rose for the second day, gaining over 150 points on hectic buying in banking and IT stocks as easing concerns on the macro-economic front bolstered investors' risk appetite. The broader NSE Nifty too witnessed a rise of 57 points.

Market sentiments were boosted by a host of positive factors including stable rupee, falling crude oil prices, subdued retail inflation and steps to improve liquidity situations. Both equity benchmarks Sensex and Nifty smartly recovered from day's low towards the fag-end of the session, but global trade tensions ahead of G20 meet this week and mixed Asian peers kept participants cautious, restricting the gains on domestic bourses.

Analysts said that "risk element on inflation is subsiding with rise in oil production, strong rupee and drop in yield; CPI inflation is expected to be under the control range".

The 30-share Sensex settled 159.06 points, or 0.45%, higher at 35,513.14, while the broader NSE Nifty jumped 57 points, or 0.54%, to finish at 10,685.60.

The rally was led by mainly IT and banking stocks. The government's announcement of ₹42,000 crore fund infusion in the state-owned banks by March-end kept the participants interested in buying banking stocks.

HSBC warms up to Indian equities ahead of 2019 poll

REUTERS
Bengaluru, November 27

BROKERAGE FIRM HSBC upgraded Indian equities to "neutral" from "underweight" on Tuesday, saying valuations were more reasonable, investors' holdings were very low and strong earnings growth would continue next year.

India is one of the fastest growing markets in Asia, with MSCI India EPS growth consensus – a design to measure large-, mid- and small-cap segments of the stock market, seen at 18.8% in 2018 and 24% in 2019, HSBC said in a note titled 'The Flying Dutchman'.

HSBC said it expected equities to gain like in the previous three polls, probably "because more pro-growth policies are implemented before elections or that the market is more willing to anticipate such policies".

With the parliament elections scheduled for 2019, HSBC said it expected equities to gain like in the previous three polls, probably "because more pro-growth policies are implemented before elections or that the market is more willing to anticipate such policies".

MSCI India has underperformed MSCI's broadest index of Asia-Pacific shares outside Japan since the end of August, primarily due to currency weakness and volatile oil prices which HSBC expects to remain key risks going forward.

Separately, Morgan Stanley said India's growth recovery was on track as policy decisions remain supportive of an improvement in productivity dynamics with GDP forecast to rise 7.7% and 7.6% in 2018 and 2019, respectively.

Buy now to profit from India vote volatility, says FundsIndia

BLOOMBERG
Mumbai, November 27

NOW IS THE time for equity investors to bet on India's election results, even though the polls aren't likely till May, according to FundsIndia.

Investing five to six months before the elections in 2009 and 2014 earned an average three to six percent more than the Indian benchmark return in the five-year period to the next vote, said Vidya Bala, head of mutual fund research at the online retail investment platform with assets equivalent to $775 million under management. "Elections are a season of volatility and it is good to capture this period," she said, adding that by the time the results are out, most of the uncertainty is priced in and the equity market moves on from the verdict.

Political uncertainty is emerging as a key risk for investors as Prime Minister Narendra Modi's BJP faces elections in five states before a national general election to be held by May.

A verdict in favour of continuity would be beneficial for companies that are direct beneficiaries of an improving economic outlook, such as financial services, manufacturing, transportation and logistics firms, according to Funds India.

Defensive stocks such as those in the consumer sector and multinational firms would likely fare better on opposition gains, it said.

Rift with Centre doesn't challenge RBI's autonomy, says Sebi ex-chief Damodaran

PRESS TRUST OF INDIA
Mumbai, November 27

FORMER SEBI CHAIRMAN M Damodaran on Tuesday said the Reserve Bank of India continues to be a strong institution and its recent differences with the government does not challenge its autonomy.

He said RBI has been enjoying functional autonomy and nothing has happened in the recent past that has taken this away. "There have been differences between the government and RBI many times. But the institution (RBI) has never suffered. I think now also to say that RBI's autonomy is being curtailed is wrong," Damodaran told reporters in Mumbai on the sidelines of a financial distribution summit organised by CII.

He said in the past, differences between the central bank and the government were sorted through private conversations between the governor and the finance minister, and people outside would not hear of it. Now, it has become a matter of public discourse and all sorts of people, outside of the government and RBI, have jumped into the fray. "I think this stand-off is not insurmountable. Everybody thinks it is a major loss, but nothing of that kind has happened," Damodaran said.

Half of ATMs may be shut down by FY19-end: Catmi

UTSAV SAXENA
Mumbai, November 26

THE NUMBER OF ATMs in the country has seen a quarterly decline for the first time after new regulations were issued this year by the ministry of home affairs and the RBI.

According to RBI, 226,216 active ATMs were reported at the quarter ended June against 221,492 by the end of September. The number of ATMs peaked in July at 228,543, after which more than 6,000 ATMs have been shut down. According to industry body Confederation of ATM Industry (Catmi), half of India's ATMs are likely to be shut down by the end of FY19 with rural areas taking the worst hit.

An industry expert, on condition of anonymity, said large PSU banks, which are predominantly card-issuing banks with a relatively smaller ATM network, are blocking the interchange rate.

"They are neither in a position to expand their own ATM networks nor are they willing to shell out more for using other people's machines," he said.